PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

Two hundred twenty-first and two hundred twenty Sixth Reports

SHRI SUNIL MAITRA : I beg to present the following Reports (Hindi and English versions) of the Public Accounts Committee :-

(1) Two Hundred and Twenty-first Report on Action Taken on Hundred and Forty-seven Report of the Committee regarding Purchase of second-hand transport aircraft from a private firm.

(2) Two Hundred and Twenty-Sixth Report, on Working of Embarkation Headquarters.

———

(Interruptions)

MR. SPEAKER : Why are you shouting like that ?

मैं आपको आश्वासन दे रहा हूं । जगपाल जी, राजेश जी, आपको क्या हो रहा है । ऐसा करना आपको अच्छा लगता है क्या । मैंने कहा है कि सब बैठकर डिसकस करेंगे । जिस हिसाब से आप कहेंगे वैसे डिसकस कर लेंगे ।

SHRI SATISH AGARWAL (Jaipur) : Today's teleprinter says that the plane has been taken to an unknown destination. This is causing concern to all of us.

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : क्या हो गया है । कुछ तो मर्यादा में रहिए । मैंने आपको कभी बात करने से रोका नहीं है । आपकी सारी बात सुन ली है । जो लोग देख रहे हैं वे क्या सोचेंगे । People will take of this.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपसे सलाह करने के बाद ही तय किया जायेगा । आप जिस हिसाब से चाहेंगे वैसा ही होगा । और तब तक भी कुछ हो रहा है ।

Something is going on. It is still in process. You cannot force. We are very much concerned. The Minister is busy with the job.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमारे और उनके बच्चों में कोई फर्क नहीं है । वे हमारे बच्चे हैं, हमारे भाई हैं ।

(व्यवध ान)

अध्यक्ष महोदय : आपको क्या हो गया है । हिन्दुस्तान के लोग हमारे बारे में क्या सोचेंगे । कुछ तो मर्यादा में रहिए ।

(व्यवधान)

MR. SPEAKER : We are concerned about it. We shall discuss it.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : If you are interested in their well-being, let the situation calm down. Let them handle it.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : You have no sense of proportion what to talk and what not to talk.

———

12.15 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Shortage of Power in Rajasthan and need to Commission Palana Thermal Plant

श्री मनफूल सिंह चौधरी (बीकानेर) : राजस्थान प्रांत में बिजली की बहुत अधिक कमी है और अधिकतम बिजली प्रान्त से बाहर के साधनों से प्राप्त होती है । इस कमी को देखते हुए पलाना में बहुत अधिक मात्रा में

लिगनाईट का भण्डार भरा पड़ा है। इसका सर्वे भी हो चुका है कि बहुत वर्षों तक यह लिगनाईट पलाना थरमल प्लांट को चला सकता है और इस पलाना थरमल प्लांट में पहले फेज में 200 मेगावाट बिजली प्राप्त हो सकेगी। इतना कुछ होने के बाद पलाना थरमल प्लांट की प्रगति रुकी हुई है। राजस्थान आर्थिक दृष्टि से कमजोर है तो ऐसे लोक हित के प्लान की प्रगति नहीं रुकनी चाहिए। इस प्लांट के कार्य को पूरी तरह से भारत सरकार को अपने हाथ में लेना चाहिए। तभी यह प्लांट पूरा हो सकता है। राजस्थान में बिजली के अभाव में किसानों के ट्यूबवैल बंद पड़े हैं। उद्योगों को बड़ा भारी नुकसान हो रहा है। इस प्लांट के अलावा राजस्थान में कपूरड़ी में भी भारी मात्रा में अच्छे किस्म का लिगनाईट बहुत अधिक तादाद में भरा पड़ा है। आशा है भारत सरकार ऐसे लोक हित कार्यों को अविलंब अपने हाथ में लेकर शीघ्र प्रारंभ करेगी।

*(Interruptions)***

MR. SPEAKER : Why do you want to hamper their work ? Let them tackle the situation. Not allowed.

*(Interruptions)***

MR. SPEAKER : Why do you not sit down ? In case you go on shouting like this you will get heart attack.

*(Interruptions)***

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष जी, मैं सदन से और आपसे भी अर्ज करूंगा कि इस वक्त सारे राष्ट्र में इस मामले में गर्मी है और गुस्सा है। लेकिन इस सवाल के अन्दर सबसे पहले जरूरी तौर पर हमको यह सोचना है कि उन लोगों की जिन्दगी सही तरीके से बच जाए।

अध्यक्ष महोदय : बिल्कुल सही बात है।

श्री मनीराम बागड़ी : सारे राष्ट्र के बच्चे गए हैं। यह मामूली बात नहीं है कि रोज के रोज ही हवाई जहाज का अपहरण हो जाए। इस बात को मैं इस मामले में इस तरीके से नहीं ले जाना चाहता जिससे कि राष्ट्र के कोई भी प्राणी का जीवन बचाने में हमारे माध्यम से रुकावट पड़े। प्रधान मंत्री जी का यह फर्ज था कि तुरंत तमाम नेताओं को बुलाकर सलाह-मशविरा करती।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : करेंगे।

श्री मनीराम बागड़ी : एक मिनट के लिए मेरी बात सुन लीजिए। यह बात ठीक है कि तकलीफ है। इसको इस तरीके से उठाने की बजाय, पहले विरोधी पक्ष के नेताओं के साथ मीटिंग की जाए क्योंकि पहले जिन्दगी बचानी है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने यही कहा है कि मीटिंग करके जो आप कहोगे, वही करेंगे।

(व्यवधान)

श्री रामविलास पासवान (हाजीपुर) : आज का लेटेस्ट डवलपमेंट क्या है ?

संसदीय कार्य, खेल तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री बूटासिंह) : अध्यक्ष जी, आज जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो मैंने माननीय विरोधी दलों के नेताओं के पास स्वयं जाकर, जो बागड़ी जी ने सुझाव रखा है, इस मसले की गंभीरता के बारे में बात की है। क्योंकि, हमारे देशवासियों की जान का प्रश्न है। जैसा मैंने अर्ज किया था कि सभी अपोजीशन के नेताओं को बुलाकर बात करेंगे। उसमें हम हर तरह से शामिल हैं। हमको ऐसा

**Not recorded.

काम करना चाहिए जिससे उनकी जान की हिफाजत हो सके ।

MR. SPEAKER : They are on their job.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : If there are friends like you, only God can help us.

अध्यक्ष महोदय : एक दफा उनको बचा लेने दो, फिर फेल्योर बात करेंगे ।

...(व्यवधान)

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार) : इस वक्त प्लेन कहा है ?

अध्यक्ष महोदय : आपको मालूम नहीं है, वे उसी काम में लगे हुए हैं ।

(व्यवधान)

श्री रामविलास पासवान : विदेश में इस तरह की घटना हो जाती तो एक मिनट में सरकार को.....

(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Are you interested in the welfare of the people or not ?

(ii) Demond for T.V. Transmitters at Banswara and Dungarpur Districts of Rajasthan

श्री भीखाभाई (बांसवाड़ा) : अध्यक्ष जी, बांसवाड़ा एवं डूंगरपुर राजस्थान के दक्षिणी आदिवासी अंचलों में है ।

यहां के लोग रेडियो प्रसारण से बंचित रहते हैं । कभी-कभी कोई रेडियो पकड़ सकता है तो केवल इन्दौर पकड़ा जा सकता है, कहने के मायने यह हैं कि डूंगरपुर बांसवाड़ा दोनों जिले की जनता आज के राष्ट्रीय प्रसारण से बंचित हैं ।

अभी तक सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का ध्यान आल इण्डिया रेडियो एवं टेलिविजन से जोड़ने का कोई इरादा नहीं है । पिछड़े एवं दूरदराज के इलाकों की बाहुल्य जनता को वंचित रखकर केवल उन्नत एवं बड़े शहरों में टेलीविजन एवं रेडियो स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं । मेरे ख्याल से उपेक्षित आर्थिक दृष्टि से गिरे हुए पिछड़े आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए । डूंगरपुर बांसवाड़ा जिलों में टेलीविजन ट्रांसमीटरों की स्थापना किया जाना अत्यावश्यक है ।

(iv) Construction of a Dam and barrage on the Sahabi river in Haryana

SHRI RAM SINGH YADAV (Alwar) : Sir, the State Govemment of Haryana during the Janata Party rule at Centre forwarded to the Central Water Commission, New Delhi fot examining and approving a project report for construction of a 'Masani Dam' with 'Barrage' on the Sahabi State. The project was accepted by the pianning Commission for implementation. Government of Haryana started the construction work of 'Masani Dam' in the year 1979 without obtaining permission from the State Government of Rajasthan. Central Water Commission, New Delhi and Planning Commission, New Delhi did not keep in view the interests of the people of villages of Rajasthan State whose residential properties and agriculture lands would submerge in the bed of 'Masani Dam.'

'Masani Dam and Barrage' will cause submergence of the ABADI areas and agriculture lands of several villages, viz., Akoli, Lalpur, Dhani Akoli, Vijoli, Kaririwas, Jhokhawas, Rabadka, Bhattu Dhani Mahesara, Jamalpur, Jajanaka, Narwas, Jatuwas, Khushkada and others. 'Masani Dam' has already been constructed and the construction work of Barrage is in advanced stage which might be completed within a month. Residents and farmers who are owners of residential properties and agriculture lands situated in the affected villages had not been paid any compensation for